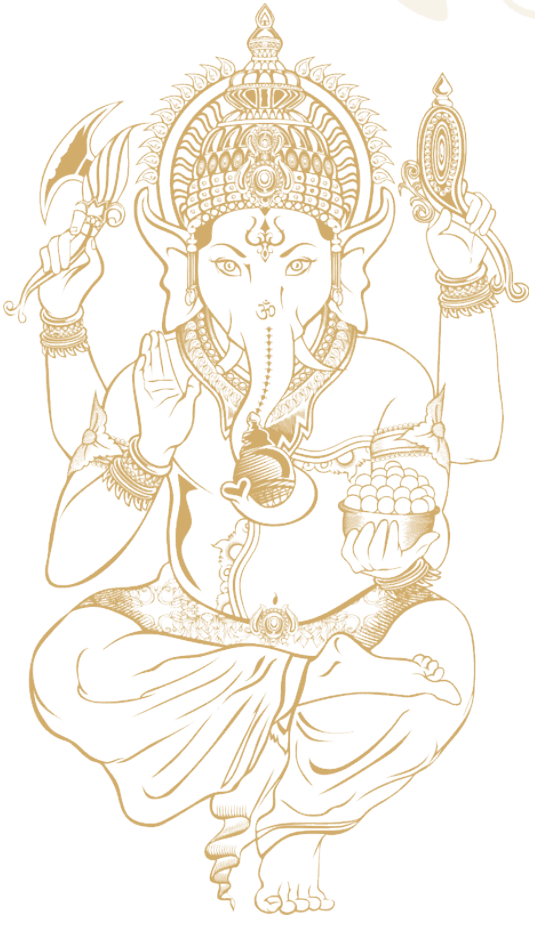

Mrs. Vaishnavi Ray

04 Dec 1998

03:05 PM

Faizabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 119371402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/12/1998**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**15:05:00 घंटे**
इष्ट	21:14:43 घटी
स्थान	**Faizabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:46:00 उत्तर
रेखांश	82:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:03:32 घंटे
वेलान्तर	00:09:55 घंटे
साम्पातिक काल	19:55:32 घंटे
सूर्योदय	06:35:06 घंटे
सूर्यास्त	17:08:03 घंटे
दिनमान	10:32:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:10:59 वृश्चिक
लग्न के अंश	14:52:05 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	साध्य
करण	कौलव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोहिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	14:52:05	448:17:55	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	18:10:59	01:00:51	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			वृष	28:49:44	14:53:59	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			कन्या	10:02:23	00:33:03	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
बुध	व	अ	वृश्चि	11:45:08	01:11:59	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु			कुंभ	25:03:48	00:04:12	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र			वृश्चि	26:54:14	01:15:20	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
शनि	व		मेष	03:30:20	00:02:40	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	नीच राशि
राहु	व		सिंह	01:12:07	00:10:28	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	01:12:07	00:10:28	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	15:52:08	00:02:14	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	06:19:42	00:01:40	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	14:14:22	00:02:21	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मक	03:00:09	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:21

लग्न-चलित

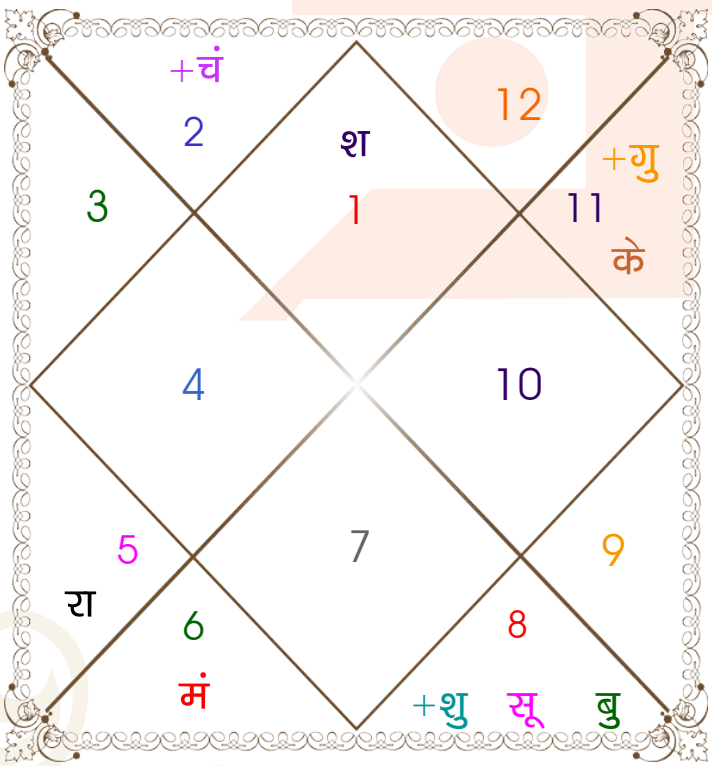

चन्द्र कुंडली

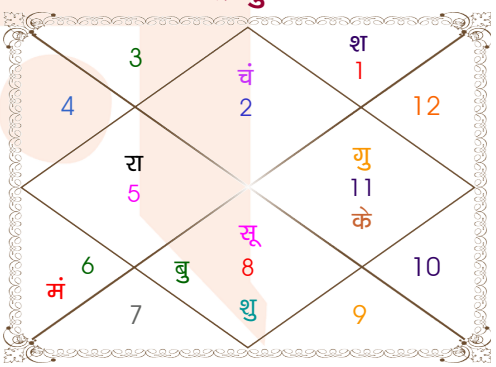

नवमांश कुंडली

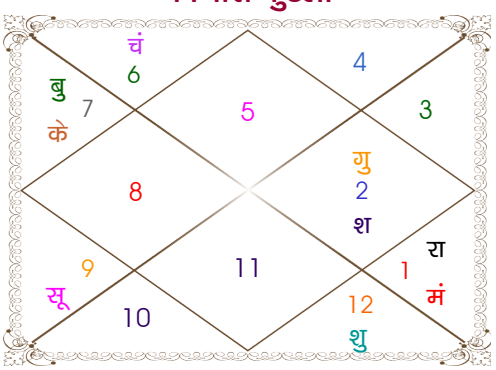

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 1 मास 11 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/12/1998		15/01/2003		15/01/2021		15/01/2037		15/01/2056	
15/01/2003		15/01/2021		15/01/2037		15/01/2056		15/01/2073	
	00/00/0000	राहु	27/09/2005	गुरु	05/03/2023	शनि	18/01/2040	बुध	13/06/2058
	00/00/0000	गुरु	21/02/2008	शनि	15/09/2025	बुध	28/09/2042	केतु	10/06/2059
	04/12/1998	शनि	28/12/2010	बुध	22/12/2027	केतु	06/11/2043	शुक्र	10/04/2062
शनि	17/07/1999	बुध	16/07/2013	केतु	27/11/2028	शुक्र	06/01/2047	सूर्य	15/02/2063
बुध	13/07/2000	केतु	04/08/2014	शुक्र	29/07/2031	सूर्य	19/12/2047	चंद्र	16/07/2064
केतु	09/12/2000	शुक्र	03/08/2017	सूर्य	16/05/2032	चंद्र	19/07/2049	मंगल	13/07/2065
शुक्र	08/02/2002	सूर्य	28/06/2018	चंद्र	15/09/2033	मंगल	28/08/2050	राहु	31/01/2068
सूर्य	16/06/2002	चंद्र	28/12/2019	मंगल	22/08/2034	राहु	04/07/2053	गुरु	07/05/2070
चंद्र	15/01/2003	मंगल	15/01/2021	राहु	15/01/2037	गुरु	15/01/2056	शनि	15/01/2073

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/01/2073		15/01/2080		15/01/2100		16/01/2106		16/01/2116	
15/01/2080		15/01/2100		16/01/2106		16/01/2116		00/00/0000	
केतु	13/06/2073	शुक्र	17/05/2083	सूर्य	05/05/2100	चंद्र	16/11/2106	मंगल	13/06/2116
शुक्र	13/08/2074	सूर्य	16/05/2084	चंद्र	04/11/2100	मंगल	17/06/2107	राहु	02/07/2117
सूर्य	19/12/2074	चंद्र	15/01/2086	मंगल	11/03/2101	राहु	16/12/2108	गुरु	08/06/2118
चंद्र	20/07/2075	मंगल	17/03/2087	राहु	03/02/2102	गुरु	17/04/2110	शनि	05/12/2118
मंगल	16/12/2075	राहु	17/03/2090	गुरु	22/11/2102	शनि	16/11/2111		00/00/0000
राहु	02/01/2077	गुरु	15/11/2092	शनि	04/11/2103	बुध	17/04/2113		00/00/0000
गुरु	09/12/2077	शनि	15/01/2096	बुध	10/09/2104	केतु	16/11/2113		00/00/0000
शनि	18/01/2079	बुध	15/11/2098	केतु	16/01/2105	शुक्र	18/07/2115		00/00/0000
बुध	15/01/2080	केतु	15/01/2100	शुक्र	16/01/2106	सूर्य	16/01/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 1 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म काल मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित हो रहा था। साथ-साथ भरणी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह का नवमांश एवं सिंह राशि का ही द्रेष्काण भी प्रभावित था। आपके जन्म प्रभाव से यह सुनिश्चित है कि आप प्रचुर मात्रा में सुख-आराम एवं विलासिता संबंधी वस्तुओं का संचय करेंगी, जो अत्याधिक पश्चाताप विपत्ति का कारण भी बन सकता है।

आप शारीरिक रूप से पुष्ठ एवं शक्तिशाली होंगे, साथ ही आपकी आंखे सुंदर, दृष्टि तीक्ष्ण होगी। आप निःसंदेह आरामदेह जीवन बिता सकेंगी। आपके सेवक आपकी आज्ञा का पालन करेंगे। आप धार्मिक, उदार, दानी बनकर संपूर्ण आनंदमयजीवन बिताएंगी। आपकी आज्ञा का सम्मान अन्य व्यक्ति भी करेंगे। विशेष कर 25 वर्ष की आयु के पश्चात् वास्तव में आपके धनोपार्जन के लिए भाग्यशाली एवं उचित समय प्रांरभ होगा।

यह विश्वसनीय है कि यदि आप प्रसन्नता पूर्वक भाग्यशाली जीवन बिताना चाहती हैं तो सतत धुम्रपान करना, विलासिता पूर्ण जीवन का विस्तार करना, कामुकता पूर्ण एवं मद्य पान करना, रंगरलियां मनाना बंद करें। अन्यथा परिणाम स्वरूप आप यौन-रोग से प्रभावित होकर दीर्घकालीन रोगी हो जाएंगी। आप सदैव ही दीर्घकालीन रोग तथा मस्तिष्क रोग से सुरक्षित रहने के लिए सतर्क रहे तब आप स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आप विलासी और प्रेम करने वाले प्राणी हैं। आप अपने हेतु संगीत, खेल-कूद, पशु चिकित्सा अथवा नेत्र विशेषज्ञ विभाग को जीवन के लिए अनुकूल समझेंगी। आप सदैव ही धनोपार्जन हेतु होटल, डीलरशिप, चर्म एवं चर्मोद्योग का धंधा प्रारंभ कर सकती हैं।

आप साहस एवं दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण बहुत प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी। आप बिना किसी अन्य की राय लिए ही अपना निर्णय कायम करेंगी। परंतु आप अपने गलत निर्णय को नियमबद्ध तरीके से प्रेरित नही कर सकती। अतः उत्तम तो यह है कि सुदृढ़ निर्णय लेने के पश्चात् ही विश्वसनीयता पूर्वक किसी प्रस्ताव को नियमित करें।

आप वास्तव में मित्रों की मित्र हैं। आप अपनी राह पर चलकर, अपनी बड़ी मित्र मंडली के सहयोग द्वारा जीवन की यात्रा तय कर सकती हैं।

आपके जीवन में विद्वेष तथा मतांतर से आपका प्रेम संबंध भी उत्तेजित रहेगा। आप सदैव ही अपना पारिवारिक जीवन सुखमय रखने का प्रयास करेंगी। आपके पति आपका पूर्ण समर्थन करेंगे तथा आपके साथ जीवन बिताना चाहेंगे परंतु आपके व्यवहार से कुप्रभावित होकर आपके साथ कटुता का अनुभव कर किसी भी क्षण आपसे विमुख हो जाएंगे।

आप अपने साहसिक एवं सृजानात्मक प्रवृत्ति से अपने विचारों में परिवर्तन लाकर, बहुत सी यात्राएं करेंगी। क्योंकि आप विभिन्न स्थानों में नाना प्रकार की मित्रता प्रारंभ करेंगी। अर्थात् बहुत प्रकार के लोगों से मित्रता स्थापित करेंगी। परिणाम स्वरूप आपका बहुत ही अधिक धन का अपव्यय होगा।

आपके लिए यह स्पष्ट निर्देश है कि आप अपने जीवन को उत्तेजना रहित रखने के

लिए मादक पेय एवं मांसहार का त्याग करें। आपको बहुतायत में हरी-सब्जियों का (व्यवहार) आहार सदैव लेना चाहिए यही आपके लिए उत्तम है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए भग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक तरंगित है। इसके अतिरिक्त अंक 4 और 8 अंक आपके लिए प्रभावशाली है। अंक 6 और 7 अंक अनुपयुक्त है। शेष अंक 2, 3 एवं 5 अंक कभी ठीक कभी निष्क्रिय फलदायी होंगे।

आपके लिए उपयुक्त एवं अनुकूल रंग पीला, स्वर्णिम, एवं लाल है, जब कि काला रंग पूर्णरूपेण त्याज्य है।